आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–05 सितम्बर 2026 भोजपुरी समाचार

देस भर में आजु शिक्षक दिवस मनावल जा रहल हौ। हर साल पांच सितंबर के देस क दुसरका राष्ट्रपति अउर महान शिक्षाविद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के शिक्षक दिवस के रूप में मनावल जाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आजु नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार–दुई हजार छब्बीस समारोह में उत्कृष्ट कार करे वाले शिक्षकन के सम्मानित कइलिनि। येह मौका पर उहां के कहलिनि कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के जरिया से विकसित भारत क लक्ष्य हासिल कइल जा सकेला। राष्ट्रपति कहलिनि कि जवन समाज अपने शिक्षकन क सम्मान करेला ऊ प्रगतिशील समाज होला।

हम सब देशवासी विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था के बल पर विकसित भारत का निर्माण संभव है। हमारे शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था में प्राण वायु का संचार करते हैं। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हमारे देश में एक भी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा के अवसर से वंचित न हो।

समारोह में सत्ताइस राज्यन, सात गो केंद्र सासित प्रदेस अउर केंद्र सरकार क छौ गो संगठन के स्कूलन से चुनल गइल अड़तालीस गो शिक्षक लोगि के ई पुरस्कार दिहल गइल। येह में प्रदेसो के पांच गो शिक्षक सामिल हवें।

गोरखपुर में शिक्षक दिवस के मौका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेसिक शिक्षा विभाग अउर माध्यमिक शिक्षा विभाग क इक्यासी गो शिक्षक लोगि के सम्मानित कइलें। सथहीं बरिस दुई हजार पचीस बदे राज्य अध्यापक पुरस्कार अउर मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कारों दिहलें। शिक्षकन के बधाई देत मुख्यमंत्री कहलें कि शिक्षक खाली पाठयक्रम पूरा करावे वाला नाही बलुक विद्यार्थियन के सही दिसा देवे वाला मार्ग दरसक हौ। उहां के कहलीं कि शिक्षा का उद्देश्य खाली बढ़िया अंक पावल नाही बलुक लइकन में अनुसासन, संवदेनशीलता अउर जिम्मेदारी क भावनों विकसित कइल हौ।

विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण माहौल वहां पैदा हो, उस प्रकार की शिक्षा वहां दी जा सके, इसके लिए अनेक कार्य किए गए।आपने देखा होगा कि इसके लिए सरकार के स्तर पर ऑपरेशन कायाकल्प से लेकर के निपुण भारत अभियान, ये सभी कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से आगे बढ़े। अब केवल दूसरी क्लास में निपुण भारत अभियान नहीं चलेगा, बल्कि पांचवीं क्लास तक चलेगा और उसके बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिक्षकन से बदलत तकनीक अउर समय के जरूरत के हिसाबि से खुद के अपडेट रखले क आवाहन कइलें।

****

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यूजीसी–नेट जून–दुई हजार छब्बीस क अंग्रेजी, वाणिज्य अउर समाजशास्त्र विषय क पुर्नपरीक्षा बदे प्रवेस पत्र जारी कई दिहले बा। अंग्रेजी क परीक्षा नौ सितंबर के सुबह नौ बजे से दुपहरिया बारह बजे ले होई। वाणिज्य क परीक्षा ओही दिन दुपहरिया तीन से संझा छौ बजे ले होई। समाजशास्त्र क परीक्षा दस सितंबर के सुबह नौ बजे से दुपहरिया बारह बजे ले होई। येह तीनों विषय क परीक्षा प्रश्नपत्र में कुछु गलतियन क सिकायतिन के बाद दुबारा आयोजित कइल जा रहल हौ।

****

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर वाराणसी में विभागीय समीक्षा बैइठकी के बाद मीडिया से बातियावत कहलें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अगुवाई में प्रदेस क सहकारिता क्षेत्र के नई ऊर्जा मिलल हौ। उहां के बतवलीं कि रिजर्व बैंक की ओर से लाइसेंस निरस्त कइल गइल सोरह गो जिला सहकारी बैंक के फेर से संचालित कई के लाभ के स्थिति में पहुंचावल गइल हौ। येह बैंकन के जरिया से किसानन के कम बयाज दर पर फसल ऋण उपलब्ध करावल जा रहल हौ। मंत्री कहलें कि साधन सहकारी समितियन आ पैक्स क जीर्णोद्धार, कंप्यूटरीकरण अउर सोलर पैनल लगवले से खाद वितरण क व्यवस्था मजबूत भइल हौ। बइठकी में आवे वाला धान अउर गोहूं खरीद के तइयारियन क समीक्षो कइल गइल।

****

प्रदेस भर में रूकि–रूकि के बरखा क सिलसिला जारी हौ। मौसम विभाग के हिसाबि से पूरबी उत्तर प्रदेस में अगिल छौ दिन ले जबकि पच्छिमी उत्तर प्रदेस में आवे वाला तीन दिन ले बरखा क ई सिलसिला जारी रही। ओहर बरखा अउर बैराजन से पानी छोडले के नाते अयोध्या, वाराणसी, आजमगढ़, बलिया, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी, चित्रकूट अउर बाराबंकी के सथही छब्बीस गो जिला बाढ़ के चपेटा में हौ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निरदेस पर बाढ़ वाला इलाकन में राहत अउर बचाव अभियान लगतारे चलि रहल हौ। बाढ़ राहत आयुक्त के हिसाबि से राहत अउर बचाव तंत्र के सक्रियता से करीब बहत्तर हजार बाढ़ राहत किट अउर साढ़े तीन लाख से बेसी प्रभावित लोगिन के लंच पैकेट बांटल गइल हौ। एकरे आलावा सत्रह हजार से बेसी लोगिन के सुरक्षित जगहिन पर पहुंचावल जा चुकल हौ। राहत से स्वास्थ्य सेवा ले ढेरे इंतजाम कइल गइल हौ।

****